प्रतिदर्श प्रश्नपत्र - 4

हिंदी (ब) कोड संख्या 085

कक्षा – दसवीं (2023-24)

निर्धारित समय: 3 hours **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

- इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं - खंड 'अ' और 'ब'।
- खंड 'अ' में उपप्रश्नों सहित 45 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल 40 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए।
- दोनों खंडों के कुल 18 प्रश्न हैं । दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (अपठित गद्यांश)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

कम उम्र में स्क्रीन पर अधिक से अधिक समय बिताना बच्चों के लिए बेहद हानिकारक है। अब तक तो टीवी या कंप्यूटर ही था, जिसे माता-पिता या घर के बड़े लोग नियंत्रित कर सकते हैं, मगर मोबाइल, टैब तो हाथ में होता है। उस पर कितना समय बिताया, यह आसानी से पता नहीं चलता। फिर अगर ये पढ़ाई का हिस्सा हो, तब भी कोई रोक-टोक भी कैसे की जा सकती है? एक वक्त था, जब स्कूलों में बच्चों के मोबाइल ले जाने पर प्रतिबंध था। लेकिन कोरोना महामारी के कारण उपजी परिस्थितियों ने बच्चों और स्मार्ट-फोन की दूरी हटा दी। उन दिनों माता-पिता ऐसी शिकायत करते हुए पाए गए कि आखिर 24 घंटे वे कैसे नज़र रख सकते हैं कि बच्चे क्या देख रहे हैं? ऐसी रिपोट भी आई हैं कि अपने देश में बच्चे सबसे अधिक फेसबुक का इस्तेमाल करते हैं। गलत वेबसाइटों पर जाकर तथा उसे देखकर कई बच्चे ऐसे-ऐसे अपराध करने लगे हैं जिनके बारे में पहले सुना नहीं जाता था। समय आ गया है कि बच्चों के गैजेट्स इस्तेमाल करने को लेकर एक सुस्पष्ट सलाह के साथ देश में जागरूकता अभियान चलाया जाए। यदि समय के साथ प्रतिस्पर्धा करनी है तो इन्हें नई-नई तकनीक से दूर नहीं किया जा सकता, मगर एक संतुलन भी आवश्यक है।

(i) गद्यांश में कंप्यूटर की तुलना में मोबाइल को अधिक हानिप्रद क्यों माना गया है?

क) इसका स्क्रीन छोटा होने के कारण आँखों पर बुरा असर पड़ता है।

ख) इसका स्क्रीन छोटा होने के कारण इसका रेडियेशन भी अधिक होता है।

होता है। | जा सकता।

(ii) टैब और मोबाइल पर रोक लगाने में सबसे बड़ी बाधा क्या है?

क) बच्चों का टैब और मोबाइल का आदी होना।
ख) टैब और मोबाइल का पढ़ाई का हिस्सा होना।
ग) माता-पिता तथा अभिभावकों का शिक्षित न होना।
घ) रोक लगाने के उपायों की जानकारी न होना।

(iii) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।
कथन (A)- गैजेट्स के इस्तेमाल को लेकर एक जागरूकता अभियान आवश्यक है।
कारण (R)- गैजेट्स वर्तमान में शिक्षा-व्यवस्था का एक अहम हिस्सा है।

क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
ख) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
ग) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।
घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(iv) उपलब्ध आँकड़ों के अनुसार किस देश के बच्चे सबसे अधिक फेसबुक का इस्तेमाल करते हैं?

क) जापान
ख) चीन
ग) अमेरिका
घ) भारत

(v) कोरोना ने छोटे स्क्रीन के उपयोग को किस रूप में प्रभावित किया?

क) छोटे स्क्रीन का उपयोग न्यूनतम हो गया।
ख) इसका उपयोग बिलकुल अप्रभावित ही रहा।
ग) छोटे स्क्रीन का उपयोग कम हो गया।
घ) इसका उपयोग काफी अधिक बढ़ गया।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

हर मनुष्य या समाज या राज्य के लिए कुछ गहराई का होना और कहीं-न-कहीं उसकी जड़ें होना आवश्यक है। जब तक उनकी जड़ अतीत में न हो तब तक उनकी कोई गिनती नहीं होती और अतीत आखिर पीढ़ियों के अनुभव और कई प्रकार की समझ-बूझ का संचय है। आपके पास इसका होना जरूरी है वरना आप किसी दूसरी चीज की एक घटिया नकल मात्र

तक ऊपर धूप और खुली हवा में नहीं आते, तो जड़ें भी संकट में पड़ जाती हैं। सुसंस्कृत मन की जड़ भले ही अपने अंदर ही हो, लेकिन उसे अपने दरवाजे और खिड़कियाँ खुली रखनी चाहिए। उसमें दूसरे की दृष्टि को पूरी तरह समझने की क्षमता अवश्य होनी चाहिए, भले ही वह उससे हमेशा सहमत न हो। सहमति और असहमति का सवाल तभी उठता है, जब आप किसी चीज को समझते हैं, अन्यथा यह आँख बंद करके स्वीकार करना है, जिसे किसी भी चीज के बारे में सुसंस्कृत दृष्टि नहीं कहा जा सकता।

(i) हमारी जड़ों का अतीत से जुड़ा होना क्यों आवश्यक है?

क) क्योंकि इससे समाज की पहचान होती है
ख) सभी विकल्प सही हैं
ग) क्योंकि इससे राज्य की पहचान होती है
घ) क्योंकि इससे मनुष्य की पहचान होती है

(ii) लेखक के अनुसार अतीत के अंतर्गत क्या शामिल है?

क) असहमति के तथ्य
ख) जर्जर होती मान्यताएँ
ग) अपनी पुरानी पीढ़ी के अनुभव
घ) प्रगति के प्रतिमान

(iii) गद्यांश के अनुसार सुसंस्कृत दृष्टि के संदर्भ में कौन-सा कथन सही नहीं है?

क) सुसंस्कृत दृष्टि अतीत से जुड़ी रहती है
ख) सुसंस्कृत दृष्टि समाज की पहचान के लिए अत्यंत आवश्यक है
ग) सुसंस्कृत दृष्टि नई दृष्टि को समझती है
घ) सुसंस्कृत दृष्टि अतीत से दूर रहती है

(iv) सहमति और असहमति का प्रश्न कब उठता है?

क) जब व्यक्ति केवल विरोध करता है
ख) जब व्यक्ति अवचेतन अवस्था में होता है
ग) जब व्यक्ति किसी चीज को समझता है
घ) जब व्यक्ति में आत्मविश्वास कम होता है

(v) अतीत की आवश्यकता क्यों होती है?

i. पीढ़ियों के अनुभव का लाभ उठाने के लिए
ii. अनेक समझ-बूझ को जानने के लिए
iii. दूसरों की दृष्टि को समझने के लिए

क) कथन i, ii व iv सही हैं   ख) कथन i, ii व iii सही हैं

ग) कथन ii सही है   घ) कथन ii, iii व iv सही हैं

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (व्यावहारिक व्याकरण)

3. **निर्देशानुसार 'पदबंध ' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) **<u>अब पवन-पुत्र हनुमान</u>** का प्रवेश हो गया है। रेखांकित पदबंध है- **[1]**

क) संज्ञा पदबंध   ख) विशेषण पदबंध

ग) क्रिया विशेषण पदबंध   घ) सर्वनाम पदबंध

(ii) नदी कलकल निनाद करती हुई **<u>बहती चली जा रही थी</u>**। - रेखांकित वाक्य में कैसा पदबंध है? **[1]**

क) क्रियाविशेषण पदबंध   ख) सर्वनाम पदबंध

ग) क्रिया पदबंध   घ) संबंधबोधक पदबंध

(iii) नाव पानी में **<u>डूबती चली गई</u>**। रेखांकित वाक्य में कैसा पदबंध है? **[1]**

क) क्रिया पदबंध   ख) सर्वनाम पदबंध

ग) विशेषण पदबंध   घ) संज्ञा पदबंध

(iv) **<u>पिछले सभी दिनों की अपेक्षा</u>** आज गरमी अधिक है। रेखांकित वाक्य में कैसा पदबंध है? **[1]**

क) विशेषण पदबंध   ख) क्रिया-विशेषण पदबंध

ग) सर्वनाम पदबंध   घ) संज्ञा पदबंध

(v) **<u>जो लड़की नाच रही है</u>**, वह सुजाता की बहन है। रेखांकित में कौन-सा पदबंध है? **[1]**

क) विशेषण पदबंध   ख) सर्वनाम पदबंध

ग) संज्ञा पदबंध   घ) क्रिया पदबंध

4. **निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य पहचानिए- **[1]**

ग) एक नॉवेल चाहिए मुझे अंग्रेज़ी का।

घ) मुझे अंग्रेज़ी का एक नॉवेल चाहिए।

(ii) मेरा गाँव छोटा-सा है। उसके चारों ओर जंगल है। (सरल वाक्य) **[1]**

क) क्योंकि मेरा गाँव छोटा-सा है इसलिए उसके चारों ओर जंगल है।

ख) मेरे छोटे-से गाँव के चारों ओर जंगल है।

ग) मेरा गाँव छोटा-सा है और उसके चारों ओर जंगल है।

घ) मेरा गाँव छोटा-सा है, जिसके चारों ओर जंगल है।

(iii) **बच्चे आए हैं और खेल रहे हैं।** वाक्य-रचना की दृष्टि से है- **[1]**

क) मिश्र वाक्य

ख) सरल वाक्य

ग) संयुक्त वाक्य

घ) सामान्य वाक्य

(iv) **जब जादूगर ने खेल दिखाया तब पैसे माँगें।** वाक्य का संयुक्त रूप है- **[1]**

क) जब जादूगर खेल दिखाता है तब वह पैसे माँगता है।

ख) जैसे ही जादूगर ने खेल दिखाया वैसे ही सबसे पैसे माँगें।

ग) जादूगर ने खेल दिखाया और पैसे माँगें।

घ) जब जादूगर ने खेल दिखाया तब पैसे माँगें।

(v) विद्यालय में पढ़ाई बंद हो गई और हम घर लौट आए। (मिश्र वाक्य) **[1]**

क) जैसे ही विद्यालय में पढ़ाई बंद होनी थी हमें घर लौट कर आना था।

ख) क्योंकि विद्यालय में पढ़ाई बंद हो गई थी तभी हम घर लौट आए।

ग) जब विद्यालय में पढ़ाई बंद हो गई तब हम घर लौट आए।

घ) इनमे से कोई नहीं

5. **निर्देशानुसार समास पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) **राधा-कृष्ण** में कौन-सा समास है? **[1]**

क) तत्पुरुष

ख) द्वंद्व

(ii) श्यामा **<u>ध्यान से मग्न</u>** होकर पढ़ रहा है। रेखांकित शब्द का समास का भेद बताइए- **[1]**

क) तत्पुरुष | ख) बहुव्रीहि
ग) द्विगु | घ) अव्ययी भाव

(iii) **पाप-पुण्य** में कौन-सा समास है? **[1]**

क) कर्मधारय समास | ख) द्विगु समास
ग) बहुव्रीहि समास | घ) द्वंद्व समास

(iv) बहुव्रीहि समास का उचित उदाहरण है- **[1]**

क) श्वेताम्बर | ख) त्रिभुवन
ग) निशिदन | घ) नीलकंठ

(v) 'समास' विधि से बने शब्दों को कहते हैं- **[1]**

क) संक्षेपीकरण | ख) समान पद
ग) समस्त पद | घ) समास-विग्रह

6. **निर्देशानुसार मुहावरे पर आधारित छह बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) **चक्कर खाना** मुहावरे का उपयुक्त अर्थ है - **[1]**

क) भ्रमित होना | ख) गोल घूमना
ग) बेहोश होना | घ) भ्रमण करना

(ii) आई.ए.एस. की परीक्षा पास करने के लिए ________ पड़ती है, तब कहीं जाकर सफलता मिलती है। - रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरे से कीजिए: **[1]**

क) दिन-रात एक करना | ख) खून जलाना
ग) लोहे के चने चबाना | घ) आँखें फोड़ना

(iii) माली को देखते ही अमरुद तोड़ते बच्चे बगीचे से ________। रिक्त स्थान के लिए उपयुक्त मुहावरे का चयन कीजिए- **[1]**

क) बगलें झांकना | ख) खिल्ली उड़ाना

(iv) **असंभव काम कर दिखाना** - इस अर्थ के लिए सही मुहावरा है: **[1]**

क) पहाड़ चढ़ना ख) आसमान के तारे तोड़ना

ग) छोटा मुँह बड़ी बात घ) हथेली पर सरसों उगाना

(v) दिमाग होना **[1]**

क) समझदार होना ख) दिमागी परेशानी

ग) घमंड होना घ) मस्तिष्क की कोई बीमारी

(vi) निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए: **[1]**

I. सजग रहना - जागरूक होना
II. रंग दिखाना - प्रभाव दिखाना
III. दिमाग होना - बुद्धिमान होना
IV. खून जलाना - तिरस्कार करना

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-से युग्म सही सुमेलित हैं?

क) (II) और (IV) ख) (I) और (II)

ग) (I) और (III) घ) (III) और (IV)

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (काव्य खंड)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

अनंत अंतरिक्ष में अनंत देव हैं खड़े,
समक्ष ही स्वबाहु जो बढ़ा रहे बड़े-बड़े।
परस्परावलंब से उठो तथा बढ़ो सभी,
अभी अमर्त्य-अंक में अपंक हो चढ़ो सभी।
रहो न यों कि एक से न काम और का सरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

(i) अतंरिक्ष में कौन खड़े हैं?

क) तारे ख) नक्षत्र

ग) सूर्य घ) देवता

(ii) अतंरिक्ष में खड़े देव अपनी बाहु क्यों बढ़ा रहे हैं?

ग) स्वस्थता के लिए | घ) समृद्धि के लिए

(iii) कवि मनुष्य को किस प्रकार रहने की सलाह देता है?

क) सहयोग की भावना से | ख) असहयोग की भावना से

ग) हिंसा की भावना से | घ) ईर्ष्या की भावना से

(iv) **परस्परावलंब** का आशय है-

क) एक-दूसरे का सहयोग लेना या देना | ख) एक-दूसरे से शत्रुता करना

ग) एक-दूसरे से छल-कपट करना | घ) एक-दूसरे से घृणा करना

(v) निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए-

i. परोपकारी लोगों की प्रशंसा देवता भी करते हैं।
ii. कलंक रहित लोग ही देवताओं के समीप जा सकते हैं।
iii. मनुष्य के लिए मरने वाला मनुष्य नहीं है।
iv. सभी मनुष्यों को एक-दूसरे का सहारा लेना चाहिए।
v. अंतरिक्ष में अनेक मनुष्य खड़े हैं।

पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प चुनिए-

क) (i), (ii), (iv) | ख) (iii), (iv), (v)

ग) (ii), (iii), (iv) | घ) (i), (ii), (iii)

8. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए।** **[2]**

(i) कर चले हम फ़िदा गीत में कवि ने किसे दुल्हन कहा है? **[1]**

क) धरती को | ख) साथियों को

ग) सैनिकों को | घ) हिमालय को

(ii) ऐरावत हाथी को बचाने के लिए श्री कृष्ण ने किसको मारा? **[1]**

क) हाथियों के झुण्ड को | ख) नृसिंह को

ग) कोई नहीं | घ) मगरमच्छ

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (गद्य खंड)

का विस्तार बहुत बढ़ा हुआ है, पर इन्हें चक्रवर्ती नहीं कह सकते। संसार में अनेक राष्ट्र अंग्रेजों का आधिपत्य स्वीकार नहीं करते, बिलकुल स्वाधीन हैं। रावण चक्रवर्ती राजा था, संसार के सभी महीप उसे कर देते थे। बड़े-बड़े देवता उसकी गुलामी करते थे। आग और पानी के देवता भी उसके दास थे, मगर उसका अंत क्या हुआ? घमंड ने उसका नाम-निशान तक मिटा दिया, कोई उसे एक चुल्लू पानी देने वाला भी न बचा। आदमी और जो कुकर्म चाहे करे, पर अभिमान न करे, इतराये नहीं। अभिमान किया और दीन-दुनिया दोनों से गया।

(i) रावण कौन था?

क) देवताओं का दास
ख) अंग्रेजों का मददगार
ग) भूमंडल का स्वामी
घ) अयोध्या का राजा

(ii) रावण चक्रवर्ती सम्राट क्यों था?

क) क्योंकि बड़े-बड़े देवता उसकी गुलामी करते थे
ख) सभी विकल्प सही हैं
ग) क्योंकि संसार के सभी राजा उसे कर देते थे
घ) क्योंकि आग और पानी के देवता भी उसके दास थे

(iii) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।
कथन (A): अंग्रेजों को चक्रवर्ती नहीं कह सकते हैं।
कारण (R): क्योंकि इनका पूरे संसार पर अधिकार नहीं है।

क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है।
ख) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।
ग) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।
घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(iv) **नामो-निशान मिटाना** का अर्थ है-

क) सब कुछ नष्ट करना
ख) नाम लिखकर मिटाना
ग) इनमें से कोई नहीं
घ) कहीं का न रहना

(v) कौन, किसे रावण का उदाहरण देकर समझा रहा है?

ग) पाठक, श्रोता को। घ) भाई साहब, लेखक को

10. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए।** **[2]**

(i) **तीसरी कसम** में किसने अभिनय किया? **[1]**

क) शम्मी कपूर ने

ख) राजेश खन्ना ने

ग) राज कपूर ने

घ) निदा फ़ाज़ली

(ii) तताँरा की तंद्रा भंग कैसे हुई? **[1]**

क) अंधकार होने के कारण

ख) वर्षा प्रारंभ होने के कारण

ग) लहरों के प्रबल वेग के कारण

घ) किसी के पुकारने पर

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (पाठ्य पुस्तक)

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

(i) भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में '26 जनवरी' की तिथि के महत्त्व को पाठ से संदर्भ ग्रहण करते हुए स्पष्ट कीजिए। **[3]**

(ii) **कारतूस** एकांकी के नायक वज़ीर अली और **कर चले हम फ़िदा** कविता के वीर सेनानियों के चरित्र में क्या समानताएँ हैं? क्या आज की युवा पीढ़ी में आप ऐसे गुण देखते हैं? अपने विचार लिखिए। **[3]**

(iii) सोनाली एक मल्टीनेशनल कंपनी में एच. आर. के पद पर कार्यरत है। पद की ज़िम्मेदारी ने उसे इतना बाँध रखा है कि उसके दिमाग की रफ़्तार हमेशा ही तेज़ रहती है। अपने खाने-पीने के लिए भी उसके पास समय नहीं होता। इसका सीधा असर उसके व्यक्तित्व में झलकने लगा है। बात-बात पर क्रोध आना, झल्लाना तो जैसा उसका स्वभाव ही हो गया है। 'झेन की देन' पाठ के आधार पर बताइए कि सोनाली अपने स्वभाव को किस प्रकार परिवर्तित कर सकती है ? **[3]**

12. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

(i) कंपनी बाग में रखी तोप क्या सीख देती है? **[3]**

(ii) आत्मत्राण कविता में कवि किससे और क्या प्रार्थना करता है? **[3]**

(iii) पर्वत प्रदेश में वर्षा ऋतु में प्राकृतिक सौंदर्य कई गुना बढ़ जाता है, परंतु पहाड़ों पर रहने वाले लोगों के दैनिक जीवन में कठिनाइयाँ उत्पन्न होती होंगी? इनके विषय में लिखिए। **[3]**

13. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

(ii) **सपनों के से दिन** पाठ में बच्चों को स्कूल जाना बिल्कुल भी पसंद नहीं था, क्यों? कारण सहित उत्तर स्पष्ट करते हुए बताइए कि स्कूल जाने के संबंध में आपका क्या अनुभव है? **[3]**

(iii) रिश्तों की बुनियाद **प्रेम** है। इस कथन को **टोपी शुक्ला** पाठ से उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए। **[3]**

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (लेखन)

14. **भारत में बाल मज़दूरी की समस्या** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

- बाल मज़दूरी का अर्थ
- बाल मज़दूरी के कारण
- बाल मज़दूरी को दूर करने के उपाय

अथवा

वन संरक्षण : प्राथमिकता विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- मनुष्य और वन में अटूट संबंध
- संरक्षण प्रथम आवश्यकता क्यों?
- वन संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों का प्रभाव
- सुझाव

अथवा

मेरे जीवन का लक्ष्य विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- जीवन में लक्ष्य की आवश्यकता
- आपका लक्ष्य क्या है?
- लक्ष्य क्यों हैं?
- बनकर क्या करेंगे?

15. आपका नाम अंकित/अंकिता है। तकनीकी संस्थानों में प्रवेश हेतु प्रदेश सरकार द्वारा आर्थिक दृष्टि से कमजोर, प्रतिभाशाली छात्रों के लिए नि:शुल्क शिक्षण की जो व्यवस्था की गई है, उसकी सराहना करते हुए किसी दैनिक हिन्दी समाचार-पत्र के संपादक को लगभग **100** शब्दों में एक पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

अपने निकट के डिपो-प्रबंधक को नई बस सेवा शुरू करने के लिए पत्र लिखिए।

अथवा

आपके विद्यालय में बाल-दिवस के अवसर पर पुस्तक मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले में पाठ्यक्रम की पुस्तकों के साथ ज्ञान-विज्ञान संबंधी अन्य पुस्तकें भी उपलब्ध होंगी। पाठ्य-पुस्तकों पर 10% तथा अन्य पुस्तकों पर 25% छूट दी जाएगी। इस संबंध में एक सूचना दसवीं कक्षा के अमृत/अमृता की ओर से लगभग 80 शब्दों में तैयार कीजिए।

17. आप अपनी दो वर्ष पहले खरीदी बाईक बेचना चाहते हैं, उससे संबंध में विज्ञापन तैयार कीजिए। **[3]**

अथवा

पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

18. **यदि मैं समाचार-पत्र होता** विषय पर एक लघुकथा लिखिए। **[5]**

अथवा

आप दीपक/दीपिका हैं। आपके बड़े भाई/बहिन का विवाह जून माह की 10 तारीख को होना निश्चित हुआ है। विदेश में रहने वाले अपने मित्र के लिए लगभग 80 शब्दों में एक ई-मेल निमंत्रण-पत्र तैयार कीजिए।

Answers

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

कम उम्र में स्क्रीन पर अधिक से अधिक समय बिताना बच्चों के लिए बेहद हानिकारक है। अब तक तो टीवी या कंप्यूटर ही था, जिसे माता-पिता या घर के बड़े लोग नियंत्रित कर सकते हैं, मगर मोबाइल, टैब तो हाथ में होता है। उस पर कितना समय बिताया, यह आसानी से पता नहीं चलता। फिर अगर ये पढ़ाई का हिस्सा हो, तब भी कोई रोक-टोक भी कैसे की जा सकती है? एक वक्त था, जब स्कूलों में बच्चों के मोबाइल ले जाने पर प्रतिबंध था। लेकिन कोरोना महामारी के कारण उपजी परिस्थितियों ने बच्चों और स्मार्ट-फोन की दूरी हटा दी। उन दिनों माता-पिता ऐसी शिकायत करते हुए पाए गए कि आखिर 24 घंटे वे कैसे नज़र रख सकते हैं कि बच्चे क्या देख रहे हैं? ऐसी रिपोट भी आई हैं कि अपने देश में बच्चे सबसे अधिक फेसबुक का इस्तेमाल करते हैं। गलत वेबसाइटों पर जाकर तथा उसे देखकर कई बच्चे ऐसे-ऐसे अपराध करने लगे हैं जिनके बारे में पहले सुना नहीं जाता था। समय आ गया है कि बच्चों के गैजेट्स इस्तेमाल करने को लेकर एक सुस्पष्ट सलाह के साथ देश में जागरूकता अभियान चलाया जाए। यदि समय के साथ प्रतिस्पर्धा करनी है तो इन्हें नई-नई तकनीक से दूर नहीं किया जा सकता, मगर एक संतुलन भी आवश्यक है।

(i) **(घ)** छोटा होने के कारण इस पर बिताए समय का हिसाब नहीं रखा जा सकता।
व्याख्या: छोटा होने के कारण इस पर बिताए समय का हिसाब नहीं रखा जा सकता।

(ii) **(ख)** टैब और मोबाइल का पढ़ाई का हिस्सा होना।
व्याख्या: टैब और मोबाइल का पढ़ाई का हिस्सा होना।

(iii) **(घ)** कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
व्याख्या: कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(iv) **(घ)** भारत
व्याख्या: भारत

(v) **(घ)** इसका उपयोग काफी अधिक बढ़ गया।
व्याख्या: इसका उपयोग काफी अधिक बढ़ गया।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

हर मनुष्य या समाज या राज्य के लिए कुछ गहराई का होना और कहीं-न-कहीं उसकी जड़ें होना आवश्यक है। जब तक उनकी जड़ अतीत में न हो तब तक उनकी कोई गिनती नहीं होती और अतीत आखिर पीढ़ियों के अनुभव और कई प्रकार की समझ-बूझ का संचय है। आपके पास इसका होना जरूरी है वरना आप किसी दूसरी चीज की एक घटिया नकल मात्र रह जाएँगे और एक व्यक्ति या समूह के नाते आपको उसका कोई लाभ नहीं होगा। दूसरी ओर यह भी है कि कोई केवल जड़ों तक ही सीमित नहीं रह सकता। जड़ों में भी अंकुर फूटकर जब तक ऊपर धूप और खुली हवा में नहीं आते, तो जड़ें भी संकट में पड़ जाती हैं।

सुसंस्कृत मन की जड़ भले ही अपने अंदर ही हो, लेकिन उसे अपने दरवाजे और खिड़कियाँ खुली रखनी चाहिए। उसमें दूसरे की दृष्टि को पूरी तरह समझने की क्षमता अवश्य होनी चाहिए, भले ही

सुसंस्कृत दृष्टि नहीं कहा जा सकता।

(i) **(ख)** सभी विकल्प सही हैं

व्याख्या: हमारी जड़ों का अतीत से जुड़ा होना इसलिए आवश्यक है, क्योंकि इससे मनुष्य, समाज और राज्य की पहचान होती है तथा उसका महत्त्व जाना जाता है। यदि मनुष्य की जड़ें अतीत में न हों तो उसका कोई महत्त्व नहीं रहता।

(ii) **(ग)** अपनी पुरानी पीढ़ी के अनुभव

व्याख्या: गद्यांश में लेखक के अनुसार अतीत के अंतर्गत अपनी पुरानी पीढ़ी के अनुभव शामिल होते हैं। साथ ही इसमें कई प्रकार की समझ-बूझ भी शामिल होती है।

(iii) **(घ)** सुसंस्कृत दृष्टि अतीत से दूर रहती है

व्याख्या: गद्यांश के अनुसार सुसंस्कृत दृष्टि के संदर्भ में यह कथन सही नहीं है कि सुसंस्कृत दृष्टि अतीत से दूर रहती है, क्योंकि सुसंस्कृत दृष्टि अतीत से जुड़ी रहती है। इसमें अतीत के साथ नई दृष्टि की समझ भी होती है।

(iv) **(ग)** जब व्यक्ति किसी चीज को समझता है

व्याख्या: सहमति और असहमति का प्रश्न तब उठता है जब व्यक्ति किसी चीज को समझता है। अपनी समझ के अनुसार ही वह किसी चीज के प्रति सहमति और असहमति प्रकट करता है।

(v) **(ख)** कथन i, ii व iii सही हैं

व्याख्या: कथन i, ii व iii सही हैं

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (व्यावहारिक व्याकरण)

3. निर्देशानुसार 'पदबंध ' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(क)** संज्ञा पदबंध

व्याख्या: संज्ञा पदबंध

(ii) **(ग)** क्रिया पदबंध

व्याख्या: क्रिया पदबंध

(iii) **(क)** क्रिया पदबंध

व्याख्या: क्रिया पदबंध

(iv) **(ख)** क्रिया-विशेषण पदबंध

व्याख्या: क्रिया-विशेषण पदबंध

(v) **(ख)** सर्वनाम पदबंध

व्याख्या: सर्वनाम पदबंध

4. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(घ)** मुझे अंग्रेज़ी का एक नॉवेल चाहिए।

व्याख्या: यह विकल्प सही है क्योंकि 'एक' संख्यावाचक विशेषण संज्ञा शब्द नॉवेल के लिए है और शुद्ध वाक्य के लिए सही पदक्रम होना आवश्यक है- कर्ता, कर्म, क्रिया का प्रयोग है।

(iii) **(ग)** संयुक्त वाक्य
व्याख्या: संयुक्त वाक्य
(iv) **(ग)** जादूगर ने खेल दिखाया और पैसे माँगें।
व्याख्या: जादूगर ने खेल दिखाया और पैसे माँगें।
(v) **(ग)** जब विद्यालय में पढ़ाई बंद हो गई तब हम घर लौट आए।
व्याख्या: जब विद्यालय में पढ़ाई बंद हो गई तब हम घर लौट आए।

5. निर्देशानुसार समास पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-
(i) **(ख)** द्वंद्व
व्याख्या: द्वंद्व
(ii) **(क)** तत्पुरुष
व्याख्या: तत्पुरुष
(iii) **(घ)** द्वंद्व समास
व्याख्या: द्वंद्व समास
(iv) **(घ)** नीलकंठ
व्याख्या: नीला है कंठ जिसका (शिव)
(v) **(ग)** समस्त पद
व्याख्या: समस्त पद
उदाहरण= घुड़सवार -समस्त पद, घोड़े पर सवार - विग्रह

6. निर्देशानुसार मुहावरे पर आधारित छह बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-
(i) **(क)** भ्रमित होना
व्याख्या: भ्रमित होना
(ii) **(घ)** आँखें फोड़ना
व्याख्या: आँखें फोड़ना
(iii) **(ग)** नौ दो ग्यारह होना
व्याख्या: नौ दो ग्यारह होना
(iv) **(घ)** हथेली पर सरसों उगाना
व्याख्या: हथेली पर सरसों उगाना
(v) **(ग)** घमंड होना
व्याख्या: घमंड होना - अचानक लॉटरी लग जाने से गंगाराम का दिमाग हो गया है।
(vi) **(ख)** (I) और (II)
व्याख्या: (I) और (II)

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (काव्य खंड)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

परस्परावलंब से उठो तथा बढ़ो सभी,
अभी अमर्त्य-अंक में अपंक हो चढ़ो सभी।
रहो न यों कि एक से न काम और का सरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

(i) **(घ)** देवता
व्याख्या: देवता

(ii) **(क)** मदद के लिए
व्याख्या: मदद के लिए

(iii) **(क)** सहयोग की भावना से
व्याख्या: सहयोग की भावना से

(iv) **(क)** एक-दूसरे का सहयोग लेना या देना
व्याख्या: एक-दूसरे का सहयोग लेना या देना

(v) **(क)** (i), (ii), (iv)
व्याख्या: परोपकारी लोगों की प्रशंसा देवता भी करते हैं। कलंक रहित लोग ही देवताओं के समीप जा सकते हैं। सभी मनुष्यों को एक-दूसरे का सहारा लेना चाहिए।

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए।

(i) **(क)** धरती को
व्याख्या: इस गीत में कवि ने धरती को दुल्हन कहा है।

(ii) **(घ)** मगरमच्छ
व्याख्या: हाथी को बचाने के लिए कृष्ण ने मगरमच्छ को मारा।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (गद्य खंड)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

रावण भूमंडल का स्वामी था। ऐसे राजाओं को चक्रवर्ती कहते हैं। आजकल अंग्रेजों के राज्य का विस्तार बहुत बढ़ा हुआ है, पर इन्हें चक्रवर्ती नहीं कह सकते। संसार में अनेक राष्ट्र अंग्रेजों का आधिपत्य स्वीकार नहीं करते, बिलकुल स्वाधीन हैं। रावण चक्रवर्ती राजा था, संसार के सभी महीप उसे कर देते थे। बड़े-बड़े देवता उसकी गुलामी करते थे। आग और पानी के देवता भी उसके दास थे, मगर उसका अंत क्या हुआ? घमंड ने उसका नाम-निशान तक मिटा दिया, कोई उसे एक चुल्लू पानी देने वाला भी न बचा। आदमी और जो कुकर्म चाहे करे, पर अभिमान न करे, इतराये नहीं। अभिमान किया और दीन-दुनिया दोनों से गया।

(i) **(ग)** भूमंडल का स्वामी
व्याख्या: भूमंडल का स्वामी

(ii) **(ख)** सभी विकल्प सही हैं
व्याख्या: सभी विकल्प सही हैं

व्याख्या: कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(iv) **(क)** सब कुछ नष्ट करना
व्याख्या: सब कुछ नष्ट करना

(v) **(घ)** भाई साहब, लेखक को
व्याख्या: भाई साहब, लेखक को

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए।

(i) **(ग)** राज कपूर ने
व्याख्या: राज कपूर ने

(ii) **(ग)** लहरों के प्रबल वेग के कारण
व्याख्या: तताँरा की तंद्रा लहरों के प्रबल वेग के कारण भंग हुई।

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (पाठ्य पुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i) स्वतंत्रता के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी एवं स्वतंत्रता संग्राम के अन्य नायकों द्वारा चलाए गए संघर्ष एवं आंदोलनों के कारण ही 15 अगस्त, 1947 को देश को स्वतंत्रता प्राप्त हो गई है, लेकिन इसकी वास्तविक एवं व्यवस्थित शुरुआत वर्ष 1929 के कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन से ही हो गई थी। इस अधिवेशन में यह तय किया गया कि 26 जनवरी 1930 इस दिन को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इसी के तहत संपूर्ण भारत में इस दिवस को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया गया और अंग्रेजों से संपूर्ण आजादी प्राप्त करने की प्रतिज्ञा की गई।
आजादी के बाद इस तिथि को एतिहासिक महत्त्व तब प्राप्त हुआ जब 26 जनवरी, 1950 को दुनिया के सबसे बड़े संविधान के अनुसार भारत ने स्वयं को पूर्णतः धर्मनिरपेक्ष गणतंत्र घोषित किया तथा नागरिक अधिकारों एवं कर्तव्यों को सर्वाधिक उदार एवं व्यापक स्वीकृति देकर वास्तविक स्वाधीनता प्राप्त की। आज हमारा देश विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। प्रस्तुत पाठ में स्वतंत्रता प्राप्ति की प्रतिज्ञा पढ़ने, राष्ट्रीय ध्वज फहराने और ब्रिटिश शासन की दमनात्मक कार्यवाही का अहिंसक ढंग से विरोध करने का मार्मिक वर्णन हुआ है।

(ii) 'कारतूस' एकांकी और 'कर चले हम फ़िदा' कविता में देशभक्ति का भाव निहित है। दोनों ही रचनाओं का प्रमुख भाव देश की एकता और अखंडता की रक्षा करना और उसकी सुरक्षा के लिए अपने प्राणों का उत्सर्ग करना है। एक ओर जहाँ एकांकी में वजीर अली की मातृभूमि के प्रति कर्तव्यनिष्ठा का पता चलता है वही दूसरी ओर कविता में सैनिकों के अपने कर्तव्य पालन के लिए स्वयं को न्योछावर करने के भाव समाहित हैं।
आज की युवा पीढ़ी में भी इस प्रकार के गुण विद्यमान हैं। वे अपने देश और समाज के प्रति अपने दायित्वों को समझते हैं और उनका पालन करना अपना परम कर्तव्य मानते हैं। आज की युवा पीढ़ी देश की एकता और अखंडता को सुरक्षित रखने के लिए अपने प्राणों की भी परवाह नहीं करती है।

नहीं रख पा रही है। वह अपने कार्य और अपने निजी जीवन में संतुलन नहीं बिठा पा रही है इसलिए उसका स्वभाव चिडचिडा हो गया है। इस प्रकार के लोग अपने स्वभाव से अपने से जुड़े हुए प्रत्येक व्यक्ति को हताश कर देते हैं। अतः इस प्रकार की दुविधा से बचने के लिए उसे ‘झेन की देन’ पाठ में बताई गई ‘टी सेरेमनी’ को अपनाना चाहिए। इसका अर्थ है कि उसे कुछ समय केवल अपने और अपने परिवार के लिए निकालना चाहिए। उसे अपने मन को शांत रखना होगा और वर्तमान में जीना होगा।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i) कंपनी बाग में रखी तोप हमें निम्नलिखित सीखें देती है :-

- वह हमें सीख देती है कि अत्याचारी और विनाशकारी तत्व कितने भी ताकतवर क्यों ना हो , उन्हें एक दिन मिटना ही होता है ।
- जितने भी अस्त्र - शस्त्र हैं , वे न्याय के कार्यों में बाधक नहीं बन सकते हैं।
- तोप से हमें ये भी सीख मिलती है कि जिस तोप ने एक जमाने में अनेकों वीर सूरमाओं को मौत के घाट उतार दिया हो ,किन्तु समय बदलने के बाद वो बच्चो और चिड़ियों के मनोरंजन का साधन बन कर रह गई है ।
- इस पाठ से हमें ये भी शिक्षा मिलती है कि विदेशी तत्वों के प्रलोभन में आकर हमें अपने देश और अपने को संकट में नहीं डालना चाहिए ।

(ii) 'आत्मत्राण' कविता में कवि ईश्वर से प्रार्थना करता है। वह कामना करता है कि भले ही ईश्वर उसे दैनिक जीवन की विपदाओं को दूर करने में मदद न करे, परंतु वह अपने प्रभु से इतना अवश्य चाहता है कि प्रभु उसे आत्मबल और साहस प्रदान करें, ताकि वह मुसीबत के समय इन विपदाओं से घबराए नहीं,बल्कि उनका सामना करे और उन पर विजय प्राप्त कर सके। वह अपने बल-पौरुष पर भरोसा करता है। वह प्रभु से अच्छे स्वास्थ्य की प्रार्थना करता है, प्रभु उसे इतना निर्भय बना दे कि वह जीवन-भार को आसानी के साथ वहन कर सके। कवि चाहता है कि प्रभु के प्रति उसकी आस्था अडिग बनी रहे और किसी भी परिस्थिति में वह उन पर संदेह न करे। तथा वो इस जीवन के लिए प्रभु का आभार प्रकट करना चाहता है।

(iii) पर्वत प्रदेश में वर्षा ऋतु में प्राकृतिक सौंदर्य अत्यंत मनोहारी होता है। यही कारण है कि सबसे अधिक पर्यटन स्थल भी पर्वतीय प्रदेशों में ही पाए जाते हैं। वर्षा ऋतु के समय यहाँ का मौसम अत्यंत ठंडा हो जाता है। यहाँ की जलवायु और मौसम क्षण-क्षण में परिवर्तित होते रहते हैं। संध्या काल में डूबते सूर्य को देखकर ऐसा प्रतीत होता है जैसे लाल रंग की गोलाकार वस्तु हमारे बहुत समीप हो। बादल हमारे सिर के ऊपर ऐसे मंडराते हैं जैसे वह हमारे मित्र हों |
परंतु पहाड़ों पर रहने वाले लोगों के दैनिक जीवन में अनेकानेक कठिनाइयाँ हैं।
यहाँ संसाधनों का अभाव है। यदि तेज बारिश या तूफान आ जाएँ, तो गाँव-के-गाँव इसमें तबाह हो जाते हैं। वर्षा ऋतु के दौरान पर्वतीय मार्ग से नीचे उतर पाना एक जटिल कार्य है। इस कारण कुछ लोग रोजमर्रा के लिए आवश्यक सामग्री को भी जुटा नहीं पाते। सड़क मार्ग, संचार व्यवस्था, चिकित्सीय सुविधाओं से भी यहाँ के लोग वंचित हैं। इस प्रकार कहा जा सकता है कि

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i) i. 'हरिहर काका' नामक कहानी लिखने का उद्देश्य है-सगे (अपने) और पराए लोगों के प्रति सावधान करना। लेखक ने इस कहानी के माध्यम से इस बात पर बल दिया है कि सभी प्रकार के संबंध, रिश्ते केवल स्वार्थ पर आधारित होते हैं। यही नहीं, सगे-संबंधी तो दूर की बात है, साधु-महात्मा आदि भी इस बुराई से अछूते नहीं हैं और वे भी स्वार्थ की पूर्ति के लिए कुछ भी करने को तैयार रहते हैं। ऐसे में व्यक्ति को स्वयं समझदारी दिखानी चाहिए और किसी भी रिश्ते की बजाय स्वयं पर भरोसा करना चाहिए।'हरिहर काका' नामक कहानी में इस बात को स्पष्ट किया गया है कि लोग अपने स्वार्थ को पूरा करने के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं। उनके आपसी रिश्ते भी स्वार्थ पर ही आधारित हैं। यहाँ तक कि वे धार्मिक और सामाजिक संस्थाएँ भी, जो लोगों के कल्याण की बातें करती हैं, इस स्वार्थ से अछूती नहीं रही हैं। धन प्राप्त करने की चाहत लोगों के रिश्ते-नातों में कभी न भर पाने वाली दरार डाल देती है।हरिहर काका जैसे अनेकों बड़े बूढ़े हमें अपने आसपास दिखेंगे जिनका घर के सदस्यों के लिए कोई महत्व नहीं है, इनको कोई इज़्ज़त नहीं देता है और उनकी संपत्ति की ताक में और उनके मरने के इंतज़ार में परिवार वाले बैठे रहते हैं। यह एक अभिशाप ही है की हम अपने बीते हुए कल को इतना महत्वहीन कर देते हैं की महंत जैसे बाहर के लोग हमारे बड़े बुज़ुर्गों पर अपनी धर्म की छाप छोड़ने से भी नहीं कतराते।

(ii) 'सपनों के से दिन' पाठ में बच्चों को स्कूल जाने में रुचि नहीं थी क्योंकि उन्हें कक्षा कार्य और अध्यापक द्वारा सिखाए गए सबक याद नहीं होते थे। स्कूलों के बारे में मेरी राय है कि शारीरिक दंड पर रोक लगाना बहुत आवश्यक कदम है। बच्चों को विद्यालय में शारीरिक दंड से नहीं अपितु मानसिक संस्कार द्वारा अनुशासित करना चाहिए। प्रशंसा, निंदा, पुरस्कार इत्यादि से बच्चों का सम्मान करना उचित है। डर से बच्चा अपनी समस्याओं को नहीं बता पाता है। उसे स्नेह से समझाने से वह अनुशासित रहता है और ठीक से पढ़ाई करता है, नियमित रूप से स्कूल आता है और सफलता की ओर अग्रसर होता है।

(iii) टोपी शुक्ला नामक पाठ से ज्ञात होता है कि टोपी के घर में उसकी दादी उसके माता-पिता के अलावा एक बड़ा और एक छोटा भाई भी है। उसके घर में काम करने वाली सीता और केतकी नामक दो नौकरानियाँ है पर टोपी के लिए इस घर में कोई प्रेम नहीं है। टोपी को यह प्रेम अपने मित्र इफ्फ़न उसकी दादी और अपने घर की नौकरानी सीता से मिलता है। इस प्रेम के कारण जाति, धर्म, उम्र, पद, मालिक-नौकरानी का भेद नहीं आ पाता है। प्रेम के अभाव में वह अपने घरवालों से रिश्ता नहीं बना पाता है जबकि जहाँ उसे प्रेम मिलता है वहाँ नए रिश्ते बन जाते हैं। टोपी का अपने परिवार के सदस्यों से खून का रिश्ता है पर वहाँ प्रेम नहीं है और जहाँ रिश्ता नहीं है वहाँ प्रेम के कारण नए रिश्ते का अंकुरण हो जाता है। इस प्रकार निःसंदेह कहा जा सकता है कि प्रेम मानवीय रिश्तों की बुनियाद है। इसीलिए इफ़्फ़न और टोपी शुक्ला अलग-अलग मजहब के होते हुए भी एक दूसरे से प्रेमरूपी अटूट बंधन में बंधे हुए थे।

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (लेखन)

दुकान रेस्टोरेंट पटाखे की फैक्टरी, हीरे तराशने की फैक्टरी, शीशे का सामान बनाने वाली फैक्टरी आदि में काम करते हैं।

भारत जैसे विकासशील देश में बाल मजदूरी के अनेक कारण हैं। अशिक्षित व्यक्ति शिक्षा का महत्त्व न समझ पाने के कारण अपने बच्चों को मज़दूरी करने के लिए भेज देते हैं। जनसंख्या वृद्धि बाल मज़दूरी का दूसरा सबसे बड़ा कारण है। निर्धन परिवार के सदस्य पेट भरने के लिए छोटे-छोटे बच्चों को काम पर भेज देते हैं।

भारत में बाल मज़दूरी को गंभीरता से नहीं लिए जाने के कारण इसे प्रोत्साहन मिलता है। देश में कार्य कर रही सरकारी, गैर-सरकारी और निजी संस्थाओं की इस समस्या के प्रति गंभीरता दिखाई नहीं देती। बाल मज़दूरी की समस्या का समाधान करने के लिए सरकार कड़े कानून बना सकती है। समाज के निर्धन वर्ग को शिक्षा प्रदान करके बाल मज़दूरी को प्रतिबंधित किया जा सकता है। जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण कर भी बाल मज़दूरी को नियंत्रित किया जा सकता है। ऐसी संस्थाओं को प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए, जो बाल मज़दूरी का विरोध करती हैं या बाल मज़दूरी करने वाले बच्चों के लिए शिक्षा से जुड़े कार्यक्रम चलाती हैं।

अथवा

वन हमारी **भारतीय संस्कृति** के परिचायक रहें हैं। प्राचीनकाल में मनुष्य प्रकृति के संरक्षण में अपने जीवन मूल्यों को आलोकित व पल्लवित करता था इसीलिए वन हमारी आध्यात्मिक व भौतिक उन्नति के आधार स्तंभ रहें हैं। वृक्षों के बारे में कहा भी गया है कि, वृक्ष कबहुँ नहिं फल भखै, नदी न पीवे नीर। परमारथ के कारणे साधु धरा शरीर।।' वन त्याग, परोपकार, विनम्रता और एकता की शिक्षा ग्रहण करता है। वनों से हमें कई लाभ है किंतु प्रमुख रूप से इसे दो भागों में बाँटा जा सकता है।

- प्रत्यक्ष लाभ।
- अप्रत्यक्ष लाभ।

वनों से जड़ी-बूटी, औषधियाँ, फर्नीचर बनाने व ईंधन हेतु लकड़ियाँ प्राप्त होती है। वनो से अनेक लघु व कुटीर उद्योग चलते है, वन्य प्राणियों को जीवनाधार है ये वन। नैसर्गिक सौंदर्यानुयगी मनुष्यों के लिए ये पर्यटन का माध्यम भी है। अप्रत्यक्ष रूप से देखें तो ये वन वातावरण के तापक्रम को नियंत्रित करने व संतुलन बनाए रखने में सहायक है। मरूस्थल के प्रसार को रोक बाढ़ नियंत्रण में सहायक होते हैं। मनुष्य अपने स्वार्थ के लिए अंधाधुंध वनों की कटाई कर रहा है जिसके कारण वर्षा प्रभावित हो रही है। प्राकृतिक संतुलन बिगड़ रहा है जिसका भयंकर परिणाम अपने विभिन्न रूपों में आज हमारे सामने हैं। भूमि की उर्वरा शक्ति का क्षरण हो रहा है व दिनोंदिन जलवायु गर्म हो रही है। वायु **प्रदूषण** बढ़ रहा है, जल स्तर कम हो रहा है और मरूभूमि का प्रसार हो रहा है। वन-संरक्षण आज हमारी प्रथम आवश्यकता बन गई है क्योंकि वृक्ष ही जल है, जल ही अन्न है, और अन्न ही जीवन है। विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं से बचने के लिए वनों की सुरक्षा अत्यंत आवश्यक है अन्यथा अनावृष्टि, अतिवृष्टि, अकाल, इत्यादि विषमताएँ हमारे जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है। अभयारण्यों को बनाना उनकों विकसित करना व संरक्षण प्रदान करना वनों का उद्देश्य है । वन हमें आर्थिक लाभ पहुँचाते हैं। प्रत्येक देशवासी का यह कर्तव्य है कि वह वनों का संरक्षण करें और संकल्पित हों कि वृक्षों का सहेजेंगे। वृक्षारोपण करें यह हमारे जीवन का आधार हैं।

जीवन में निश्चित सफलता के लिए एक निश्चित लक्ष्य को होना भी अत्यंत आवश्यक है। जिस तरह निश्चित गंतव्य तय किए बिना, चलते रहने का कोई अर्थ नहीं रह जाता, उसी तरह लक्ष्य विहीन जीवन भी निरर्थक होता है।

मनुष्य का महत्वाकांक्षी होना एक स्वाभाविक गुण है। प्रत्येक व्यक्ति जीवन में कुछ न कुछ विशेष प्राप्त करना चाहता है । कुछ बड़े होकर डॉक्टर या इंजीनियर बनना चाहते हैं तो कुछ व्यापार में अपना नाम कमाना चाहते हैं। हर व्यक्ति को अपनी योग्यता एवं रुचि के अनुरूप अपने लक्ष्य का चयन करना चाहिए। जहाँ तक मेरे जीवन के लक्ष्य की बात है, तो मुझे बचपन से ही पढ़ने-लिखने का शौक रहा है, इसलिए मैं एक शिक्षक बनना चाहता हूँ। शिक्षा मनुष्य के व्यक्तित्व का विकास करती है और इस प्रक्रिया में शिक्षक की भूमिका सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण होती है।

मैं शिक्षक बनकर समाज हित में ग्रामीण क्षेत्र में नियुक्ति प्राप्त करना चाहूँगा, क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छे एवं समर्पित शिक्षकों का अभाव है। एक आदर्श शिक्षक के रूप में मैं धार्मिक कट्टरता, प्राइवेट ट्यूशन, नशाखोरी आदि से बचाने हेतु सभी छात्रों का उचित मार्गदर्शन करूँगा। मैं सही समय पर विद्यालय जाऊँगा और अपना कार्य पूर्ण ईमानदारी से करूँगा। शिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए सहायक सामग्रियों का भरपूर प्रयोग करूँगा, साथ ही छात्रों को हमेशा अच्छे कार्य करने के लिए प्रेरित करूँगा। छात्रों पर नियंत्रण रखने के लिए शैक्षणिक मनोविज्ञान का अच्छा ज्ञान प्राप्त करूँगा। मुझे आज के समाज की आवश्यकताओं का ज्ञान है, इसलिए मैं इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु छात्रों को उनके नैतिक कर्तव्यों का ज्ञान कराऊँगा। अतः मेरे जीवन का लक्ष्य होगा आदर्श शिक्षक बनकर समाज की सेवा करना तथा देश के विकास में योगदान देना।

15. सेवा में,
संपादक महोदय,
महाराष्ट्र टाइम्स
मुंबई
विषय: निःशुल्क शिक्षण की सराहना हेतु पत्र
महोदय,

मेरा नाम अंकित है। मैं आपके प्रतिष्ठित समाचार-पत्र का नियमित पाठक हूँ। मुझे आपके समाचार पत्र द्वारा प्रकाशित किए जाने वाले प्रत्येक लेख, समाचार तथा अन्य महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ पड़ना अच्छा लगता है। मैं आपको पत्र के माध्यम से यह अवगत कराना चाहता हूँ कि प्रदेश सरकार द्वारा तकनीकी संस्थानों में प्रवेश हेतु आर्थिक हृष्टि से कमज़ोर, प्रतिभाशाली छात्रों के लिए निःशुल्क शिक्षण की व्यवस्था की गई है। इससे कई प्रभावशाली छात्र नौकरियाँ पाकर अपने परिवार को आर्थिक मदद दे सकेंगे। इस कार्य के लिए में प्रदेश सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूँ। आपकी सफल प्रशासनिक पहलों और शिक्षाधिकारियों के परोपकारी कार्य के लिए ऐसी प्रदेश सरकार को सम्मानित करना चाहिए। जो अपनी कर्तव्य निष्ठा व परोपकार निभाते है।

सधन्यवाद
भवदीय
अंकित कुमार

अथवा

श्रीमान प्रबंधक महोदय,
बंदा बहादुर मार्ग डिपो,
हकीकत नगर, दिल्ली।
01 मार्च, 2019

विषय- नई बस सेवा शुरू करने के संबंध में

महोदय,

विनम्र निवेदन यह है मैं पालम कॉलोनी निकट राज नगर का निवासी हूँ। यह क्षेत्र आउटर रोड से डेढ़-दो किलोमीटर की दूरी पर है। यहाँ से निकटतम बस स्टैंड भी इतनी ही दूर है। इस दूरी का नाजायज़ फायदा रिक्शावाले, फटफट सेवावाले तथा आटोवाले उठाते हैं। यहाँ प्रातःकाल तथा सायं सवारी के लिए विशेष परेशानी होती है। स्कूल जाने वाले बच्चों को तो बहुत कठिनाई होती है। हमें विशेष कठिनाई तब होती है जब आकस्मिक बीमारी की हालत में हमारी मज़बूरी का फायदा अन्य लोग उठाते हैं।

आपसे प्रार्थना है कि आप हज़ारो व्यक्तियों के हित को ध्यान में रखते हुए पालम कॉलोनी से बस अड्डा होते हुए केंद्रीय सचिवालय तक के लिए नई बस सेवा आरंभ करने की कृपा करें ताकि यहाँ के निवासियों एवं कर्मचारियों का समय, श्रम तथा धन बच सके। हम क्षेत्रवाले आपके आभारी होंगे।

धन्यवाद सहित।

भवदीय अमरपाल,
B-275/3,
पालम कॉलोनी, दिल्ली।

16.

राजकीय उच्च माध्यमिक बाल विद्यालय
महात्मा गाँधी मार्ग, दिल्ली
कविता वाचन प्रतियोगिता के संदर्भ में
आवश्यक सूचना

दिनांक - 24.04.2022

विद्यालय के समस्त छात्र व छात्राओं को सूचित किया जाता है कि विद्यालय में होने वाली 'कविता प्रतियोगिता' में भाग लेने हेतु दिनांक- 30.04 .2022 तक अपने कक्षाध्यापक के पास नामांकन करा दें।

आज्ञा से
विद्यार्थी परिषद
(सचिव)
विनय

अथवा

सूचना
बाल-दिवस के अवसर पर पुस्तक मेला

हम आपको सूचित करना चाहते हैं कि हमारे विद्यालय में बाल-दिवस के अवसर पर पुस्तक मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस मेले में हम पाठ्यक्रम की पुस्तकों के साथ-साथ ज्ञान-विज्ञान संबंधी अन्य पुस्तकों को भी उपलब्ध कराएँगे।
पाठ्य-पुस्तकों पर 10% और अन्य पुस्तकों पर 25% की छूट दी जाएगी। इस से विद्यालय के छात्र-छात्राएँ विभिन्न पुस्तकें अपने रुचि और आकर्षण के अनुसार चुन सकेंगे और उनका ज्ञानमय अनुभव होगा।
यह मेला हमारे छात्र अमृत और अमृता के लिए एक शिक्षात्मक अनुभव होगा जो उनके अध्ययन और सोचने के तरीके को प्रोत्साहित करेगा। हम आपकी स्वीकृति और मार्गदर्शन की प्रतीक्षा कर रहे हैं ताकि हम इस कार्यक्रम को सफलता से आयोजित कर सकें।
धन्यवाद,
अमृत/अमृता
दसवीं कक्षा

17.

वाहन बिक्री
बिकाऊ है

एक बाईक सुजुकी मॉडल UP80 BJ 2016 1 लीटर पैट्रोल में 120 KM का माइलेज देने वाली अच्छी कन्डीशन में

वास्तविक खरीददार तुरन्त संपर्क करें - विनोद
अनुमानित मूल्य - 0000000
उन्नामेद मोहल्ला, लाजपत नगर
मोबाइल नं. 8865XXXX

अथवा

आओ मिलकर वृक्ष लगाएँ, जीवन को खुशहाल बनाएँ
पर्यांवरण संरक्षण करके, धरती माँ की गोद सजाएं।

आओ लें
एक सबत्प
पर्यावरण संरक्षण का

प्रकृति से प्रेम करें जल बचाएँ वृक्ष लगाएँ
स्वच्छ एवं सुरक्षित रहे हमारा पर्यावरण यह संकल्प लें।

18. यदि मैं समाचार पत्र होता तो सुबह उठते ही लोग मेरे आने के इंतजार में उत्सुकता से मेरी प्रतीक्षा करते। चाय की चुस्कियों के साथ मेरी एक-एक खबर पर नज़र दौड़ाते तो बच्चे खेल की रोचक जानकारी, 'बच्चों का कोना' पर महिलाएँ मुझमें दी गई व्यजनों की रैसिपी को जानने को बेताब

की टोकरी में डाल दिया जाता जो कि मुझे बिल्कुल न सुहाता। यदि मैं समाचार पत्र होता तो सरकार द्वारा चलायी जा रही जनकल्याण योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुँचानें का जरिया बनता तथा उनमें होने वाले भ्रष्टाचार का पर्दाफाश करता। मैं अपने पारंपरिक सफेद-काले रंग-रूप को त्यागकर, रंग-बिरंगा आकर्षक बन जाता। अपने चुटकलों से लोगों को गुदगुदाता। सभी आयु वर्ग के लिए उपयोगी होता। लोगों को शिक्षा, तकनीकी, रोजगार, विवाह, जमीन-जायदाद आदि अनेक प्रकार की जानकारी उपलब्ध कराता। इस प्रकार में लोगों को केवल खबर ही देने का जरिया नहीं उनके ज्ञानवर्धन, मनोरंजन का साधन भी बनता। मैं लोगों में जन-चेतना फैलाता। उनकी समस्याओं को प्रशासन तक पहुँचाने में सहायक होता। मेरी हमेशा यही इच्छा रहती कि सम्पादक किसी दबाब में आकर खबरों के साथ छेड़छाड़ न करें तथा न ही किसी के साथ पक्षपात करें वरन् सच्चाई को जनता के सामने लाएं। इस तरह मैं स्वयं को सार्थकता प्रदान करता।

सीख- प्रत्येक व्यक्ति के लिए समाचार पत्र पढ़ना लाभदायक होता है।

अथवा

From: Deepikasharma@gmail.com

To: Pranalipatel@gmail.com

विषय - मित्र को बहन के विवाह में आमंत्रित करने हेतु

प्रिय सहेली वैशाली,

नमस्ते! आशा है तुम और तुम्हारा परिवार अच्छे स्वास्थ्य में होंगे। तुम्हें जानकर खुशी हो रही होगी कि मेरे बड़े भाई का विवाह जून माह की 10 तारीख को होने वाला है। मैं तुम्हें और तुम्हारे परिवार को इस खास अवसर पर समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित करना चाहती हूँ।

मेहंदी संगीत: 8 जून, शाम 6 बजे

हल्दी संगीत: 9 जून, शाम 7 बजे

समारोह का स्थान: कृष्ण हॉल, रिंग रोड, दिल्ली

तारीख और समय: जून की 10 तारीख, सुबह 10 बजे

तुम इस अवसर पर हमारे साथ समारोह में शामिल होगी तो मुझे बड़ी ख़ुशी होगी। तुम्हें एक हफ्ते पहले दिल्ली आना है। मुझे तेरी उपस्थिति का इंतजार रहेगा।

तुम्हारी सहेली

दीपिका